ग्रेट इंडियन बस्टर्ड एवं संरक्षण कार्यक्रम

चर्चा में क्यों ?

हाल ही मेमं प्रतिपूरक वनरोपण निधि प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (CAMPA) ने वर्ष 2024-29 के लिए पिछले महीने ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (GIB) और लेसर फ्लोरिकन के संरक्षण के लिए 56 करोड़ रूपये धनराधि की मंजूरी दी थी।

केन्द्रीय पर्यावरण मत्रालय के तहत काम करने वाली स्वायत्त निकाय भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) द्वारा तैयार ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण प्रस्ताव के तहत इसे पुनः विकसित करने के लिए बस्टर्ड रेंज राज्य में इसके विस्तृत जनसंख्या का अध्ययन करके इसके लिए कृत्रिम गर्भाद्यान तकनीक विकसित करने पर जोर दिया जाना है।

ज्ञातव्य हो कि ग्रेट इंडियन बस्टर्ड और लेसर फ्लोरिकन दोनों भारत की गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों में शामिल हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड क्या है ?

- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड एक बड़ा पक्षी है जो केवल भारत में ही पाया जाता है।
- सिर्फ भारत में पाए जाने वाले इस पक्षी को इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजरवेशन ऑफ नेचर द्वारा गंभीर रूप से संकटग्रस्त पंक्षी के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

- वर्तमान में भारत में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की कुल जनसंख्या मात्र 140 है जो इसके भारत में ऐतिहासिक जनसंख्या का 10 प्रतिशत से भी कम है।
- अकेले राजस्थान के रेगिस्तानी और अर्ध-शुष्क परिदृश्य में लगभग 120 ग्रेट इंडियन बस्टर्ड पाए जाते हैं बाकि गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक में जंगलों में कुल बस्टर्ड देखे गए हैं।

- राजस्थान के बाद एतिहासिक रूप से ग्रेट इंडियन बस्टर्ड का दूसरा आवास मध्यप्रदेश में पिछले कई वर्षों से एक भी बस्टर्ड को देखा नहीं गया है।
- ऐतिहासिक रूप से ग्रेट इंडियन बस्टर्ड लगभग पूरे भारतीय महाद्वीप में पाया जाता था।
- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड एक स्थलीय पंक्षी है जिनका आवास घास का मैदान है।
- अपने भोजन के लिए बस्टर्ड मुख्य रूप से कीड़े-मकोड़े, छिपकली और घासों के बीज पर निर्भर रहते हैं।
- घास के मैदान पर इसके आवास के कारण ग्रेट इंडियन बस्टर्ड को चारागाह पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य बैरोमीटर के रूप में लाभदायक माना जाता है।

- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा पंक्षी के रूप में जाना जाता है जिसे कभी भारत के राष्ट्रीय पंक्षी के रूप में प्रस्तावित किया गया था।
- बस्टर्ड की लंबाई- 1.2 मीटर तथा वजन लगभग 15 किलोग्राम के आस-पास होता है।
- भारत में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड को सोहन चिड़िया गोदावन, तुकदार जैसे अन्य नामों से भी जाना जाता है।
- भारत में डेजर्ट नेशनल पार्क (जेसलमेर, राजस्थान), तथा ग्रेट इंडियन बस्टर्डस सैन्चुअरी (सोलापुर, महाराष्ट्र) जैसे उद्यान एवं अभ्यारण में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड पाए जाते हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के लुप्तप्राय के कारण

- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के लुप्तप्राय होने का सबसे बड़ा कारण ओवरहेड पावर ट्रांसमिशन लाइने हैं।
- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की सामने की दृश्य क्षमता बहुत कम होती है जिसके कारण उड़ज़न के समय यह विद्युत लाइनों को नहीं देख पाता और विद्युत केबल से टकराकर करंट लगने से इनकी मौत हो जाती है।
- भारतीय वन्यजीव संस्थान की एक रिपोर्ट के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग 18 ग्रेट इंडियन बस्टर्ड इन ओवरहेड पावर ट्रांसमिशन लाइनों से टकराकर मर जाते हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड संरक्षण कार्यक्रम

- वर्ष 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान, गुजरात एवं महाराष्ट्र सरकार को ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संभावित आवास क्षेत्र से ओवरहेड बिजली लाइनों के दायरे, व्यवहार्यता और सीमा को निर्धारित करते हुए इन बिजली लाइनों को भूमिगत किए जाने के संबंध में एक विशेषज्ञ समिति का गठन का निर्देश दिया गया था।
- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की आबादी को संरक्षित करने के पहले कदम के रूप में वर्ष 2012-13 में राजस्थान सरकार एवं भारतीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा एक दीर्घकालीन बस्टर्ड और लेसर फ्लोरिकन रिकवरी परियोजना शुरू की गई थी।

- इस योजना के साथ ही वर्ष 2016 में 33.85 करोड़ रूपये की वित्तपोषण के साथ ग्रेट इंडियन बस्टर्डस प्रजाति पुनप्राप्ति योजना की शुरूआत की गई थी जिसके आधार पर जीआईबी के प्रजनन केन्द्र स्थापित करने के साथ इसके अंडे कृत्रिम रूप से लगाए गए थे।
- इस कार्यक्रम के तहत राजस्थान के कोटा को हैबिटेट इम्प्रूवमेंट एंड कंजर्वेशन ब्रीडिंग ऑफ ग्रेट इंडियन बस्टर्ड- एक इंटिग्रेटेड अप्रोच जीआईबी के संरक्षण प्रजनन केन्द्र के निर्माण के स्थान के रूप में चुना गया है।

- इस इंटिग्रेटेड अप्रोच के तहत जंगलों से ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के अंडों को एकत्र कर कृत्रिम रूप से संया जाता है जिसके कारण लगभग 29 ग्रेट इंडियन बस्टर्ड प्राप्त किए गए।
- इस प्रजनन केन्द्र में वयस्क चूजों को संभोग कराकर लगभग 11 ग्रेट इंडियन बस्टर्ड प्राप्त किए गए।

प्रतिपूरक वनरोपण निधि प्रबंधन और योजना प्राधिकरण

- वर्ष 2002 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा केन्द्रीय स्तर पर समेकित क्षतिपूरक वनीकरण कोष बनाने के निर्देश के आधार पर भारत सरकार द्वारा वर्ष 2006 में क्षतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एंव योजना प्राधिकरण अधिनियम लाया गया।

- इस संगठन का मुख्य उद्देश्य वन क्षेत्रों में होने वाले कमी के स्थान पर वनीकरण के लिए निवेश के लिए फंड जारी करना।
- इसके अलावा इस अधिनियम के अन्तर्गत केन्द्रीय स्तर पर एक राष्ट्रीय क्षतिपूरक वनीकरण कोष तथा राज्य स्तर पर राज्य क्षतिपूरक वनीकरण कोष बनाया गया।

CAMPA द्वारा ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण के लिए जारी धनराशि का संभावित प्रयोग-

- CAMPA द्वारा ग्रेट इंडियन बस्टर्ड और लेसर फ्लोरिकन संरक्षण के लिए जारी दूसरे चरण की अवधि 2024 से 2033 है।
- इसके तहत वर्ष 2026 तक रामदेवरा और सोरसन (राजस्थान) में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड और लेसर फ्लोरिकन के लिए दीर्घकालीन संरक्षण केन्द्र खोला जाना है।
- टेलीमेंट्री आधारित पक्षी ट्रेकिंग और जनसंख्या सर्वेक्षण
- इन पंक्षियों के लिए आवास प्रबंधन तथा क्षेत्रीय अनुसंधान, परियोजना को लागू करना।

लेसर फ्लोरिकन क्या है ?

- लेसर फ्लोरिकन जिसे लिरव या खरमोर भी कहा जाता है ग्रेट इंडियन बस्टर्ड परिवार का सबसे छोटा सदस्य है।
- लेसर फ्लोरिकन भी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की तरह भारतीय उपमहाद्वीप में घास के मैदान में पाए जाने वाला स्थानीय पक्षी है।
- भारत में वर्तमान में इसकी जनसंख्या लगभग 1000 है जो लगभग ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के साथ ही अपने आवास को साझा करते हैं